पाठ 9. नए टापू की खोज

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को मानव की उस खोजी प्रवृत्ति से परिचित कराना है जिसके कारण उसने बड़े-बड़े देश जैसे अमेरिका, भारत आदि को खोज निकाला।

पाठ का सारांश

अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का एक महत्त्वपूर्ण द्वीप है – कारनिकोबार द्वीप। खोज करने के उद्देश्य से कारनिकोबारियों ने प्रयोग करते-करते एक छोटी-सी नाव बना डाली। उन्होंने केनो नामक नाव में फल रखकर समुद्र में छोड़ दिया। उनके विश्वास के अनुरूप केनो एक द्वीप के किनारे जा लगी। उस द्वीप का नाम था चावरा। चावरावासियों ने फलों को चखकर देखा और आश्वस्त होने पर सबमें वितरित करवा दिए अज्ञात लोगों को जानने के उद्देश्य से चावरावासियों ने भी नाव को उपहारों से भरकर वापस भेज दिया। कुछ दिनों बाद नाव पुनः कारनिकोबार के तट पर जा लगी। अब कारनिकोबारियों ने एक बड़ी नाव बनाई और उस अनजान द्वीप की यात्रा पर निकल पड़े। एक दिन कारनिकोबारी चावरा द्वीप पर जा पहुँचे। तब से लेकर आज तक उन दोनों द्वीपों के लोगों के बीच आत्मीय संबंध बने हुए हैं।

अध्यापन संकेत

बच्चों से **पठन-पूर्व चर्चा** के अंतर्गत दिए गए प्रश्न पूछें। पाठ का आदर्श वाचन करें तथा उसके बाद बच्चों से करवाएँ। पाठ के एक-एक गद्यांश की व्याख्या करते चलें। भारत में स्थित द्वीपों के बारे में चर्चा करें। पाठ में आए द्वीपों को मानचित्र में देखें। बड़े-बड़े देशों की खोज मानव की खोजी प्रवृत्ति का ही परिणाम है। बच्चों के अंदर रचनात्मकता एवं क्रियाशीलता जैसे गुणों को विकसित करें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें–

- समुद्र के आस-पास रहने वाले लोगों के जीवन के बारे में चर्चा करें। वहाँ का वातावरण कैसा होता है, आदि।
- समुद्र का पानी पीने लायक नहीं होता, बच्चों को बताएँ।
- बच्चों को बताएँ कि जिस प्रकार कारनिकोबारियों ने नाव बनाई उसी तरह से आदिमानव ने पत्थर की रगड़ से आग की तथा पहिये आदि की खोज की।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।